

प्रदेश में होगी स्टेम सेल थेरेपी आधारित बोनमेरो ट्रांसप्लांट एवं पीडियाट्रिक कैंसर यूनिट की स्थापना

चर्चा में क्यों?

1 अप्रैल, 2022 को मध्य प्रदेश के चिकित्सा शिक्षा मंत्री विश्वास कैलाश सारंग ने बताया कि प्रदेश में स्टेम सेल थेरेपी आधारित बोनमेरो ट्रांसप्लांट एवं पीडियाट्रिक कैंसर यूनिट की स्थापना की जाएगी।

प्रमुख बंदि

- बोनमेरो ट्रांसप्लांट एवं पीडियाट्रिक कैंसर यूनिट की स्थापना मध्य प्रदेश के चार मेडिकल कॉलेज भोपाल, जबलपुर, ग्वालियर और रीवा में की जाएगी।
- प्रदेश में बच्चों की जेनेटिक बीमारियाँ, जैसे- सकिल सेल एनीमिया, एप्लास्टिक एनीमिया, थैलीसीमिया तथा कैंसर जैसे- ल्यूकीमिया, मल्टीपल माईलोमा, नॉन हॉजकसि लफिओमा के उपचार के लिये बोनमेरो ट्रांसप्लांट यूनिट की स्थापना की जाएगी।
- प्रथम चरण में गांधी चिकित्सा महाविद्यालय में 6 बसितरीय बोनमेरो ट्रांसप्लांट यूनिट एवं 24 बसितरीय पीडियाट्रिक कैंसर यूनिट की स्थापना की जाएगी।
- इस यूनिट के माध्यम से विश्वस्तरीय चिकित्सकीय सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी। इसमें स्वयं के (ऑटोलॉग्स) स्टेम सेल ग्राफ्टिंग एवं अन्य व्यक्तिके (एलोजेनिक) बोनमेरो ट्रांसप्लांट कया जाएगा।
- बच्चों में सकिल सेल एनीमिया, एप्लास्टिक एनीमिया एवं थैलीसीमिया जैसी जेनेटिक बीमारियों के कारण बच्चों के संक्रमित बोनमेरो को निकालकर दूसरे व्यक्तिके स्वस्थ बोनमेरो ट्रांसप्लांट कया जाएगा।
- पीड़ित बच्चों के बोनमेरो को ट्रांसप्लांट करने के लिये प्राथमिक डोनर बच्चों के भाई-बहन होते हैं, जिनका बोनमेरो मैच करने की संभावना 25 प्रतिशत से अधिक होती है।
- कैंसर जैसे ल्यूकीमिया, मल्टीपल माईलोमा, नॉन हॉजकसि लफिओमा से पीड़ित मरीजों में उनके ही स्टेम सेल को निकालकर ऑटोलॉग्स स्टेम सेल ट्रांसप्लांट कया जाएगा। पीड़ित मरीज के ही स्टेम सेल को निकालकर उसको क्रायो प्रज़र्व कया जाएगा। फरि ऑटोलॉग्स ट्रांसप्लांट की जाएगी।